कम्प्यूटर नेटवर्क, इंटरनेट और ई–मेल
(Computer Network, Internet & e-mail)

कम्प्यूटर नेटवर्क (Computer Network)

कम्प्यूटर नेटवर्क (Computer Network) :

कम्प्यूटर नेटवर्क एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें दो या दो से अधिक कम्प्यूटर को आपस में इस प्रकार जोड़ा जाता है कि, वे आपस में डेटा और अन्य संसाधन आपस में साझा कर सकें।

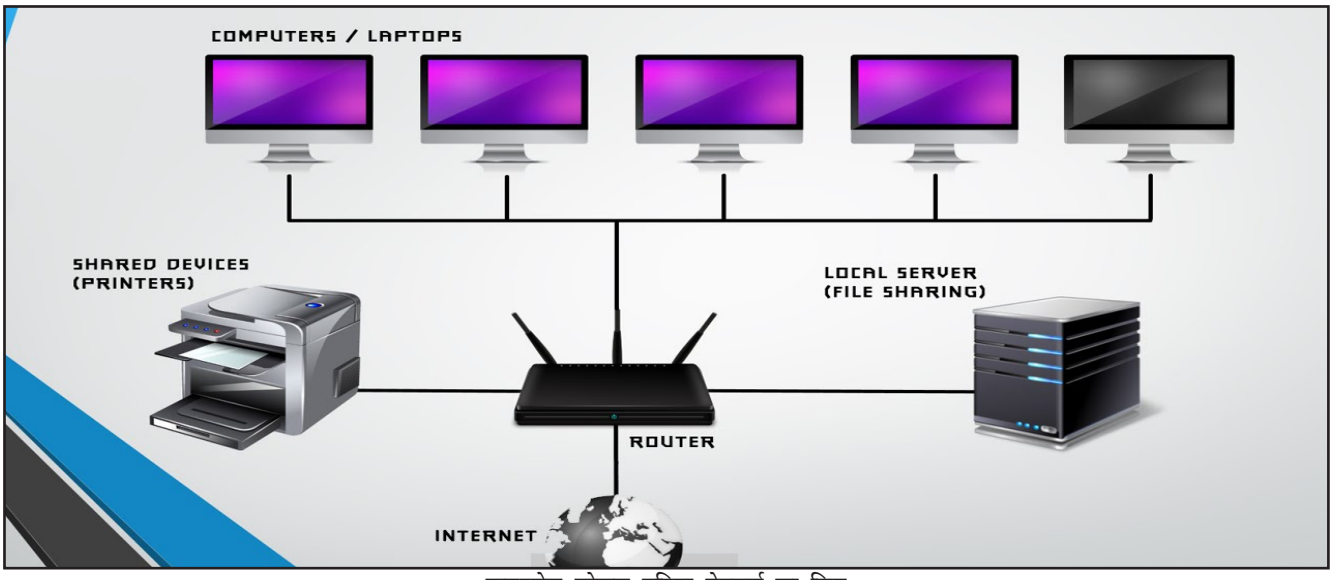
नेटवर्क से जूड़े कम्प्यूटर के बीच आप फाइल्स को जल्दी और आसानी से साझा कर सकते है। साथ ही, नेटवर्क से जूड़े अन्य संसाधन जैसे- प्रिंटर, स्कैनर का भी प्रयोग कर सकते है।

नेटवर्क के प्रकारः-

नेटवर्क के निम्न प्रकार होते है-

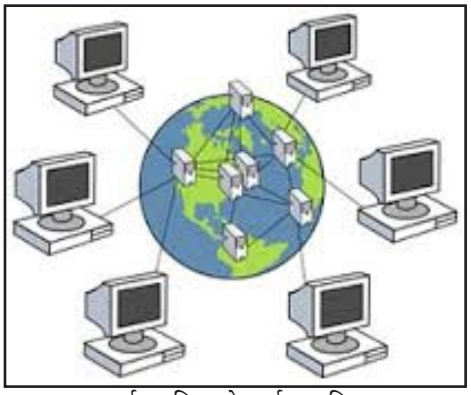
1. लोकल एरिया नेटवर्क-लैन (Local Area Network-LAN)- यह एक छोटा कम्प्यूटर नेटवर्क है, इस नेटवर्क का एरिया सीमित होता है। जैसे- घर या छोटे ऑफिस का नेटवर्क। इस प्रकार के नेटवर्क ईथरनेट तकनीक पर आधारित होते है। इस नेटवर्क का आकार छोटा होता है, पर डेटा ट्रासंफर स्पीड बहतु ही तेज होती है।

नोट :- आज के समय में, लोकल एरिया नेटवर्क वायरलेस तकनीक पर भी उपलब्ध है। जिसमें ईथरनेट वायर के बदले राउटर का प्रयोग किया जा रहा है, जिसे सभी कम्प्यूटर में लगे वाई-फाई से कनेक्ट किया जाता है। वायरलेस तकनीक ईथरनेट तकनीक से आसान और कम खर्चीला होता है। अभी इसी का प्रचलन अधिक है।



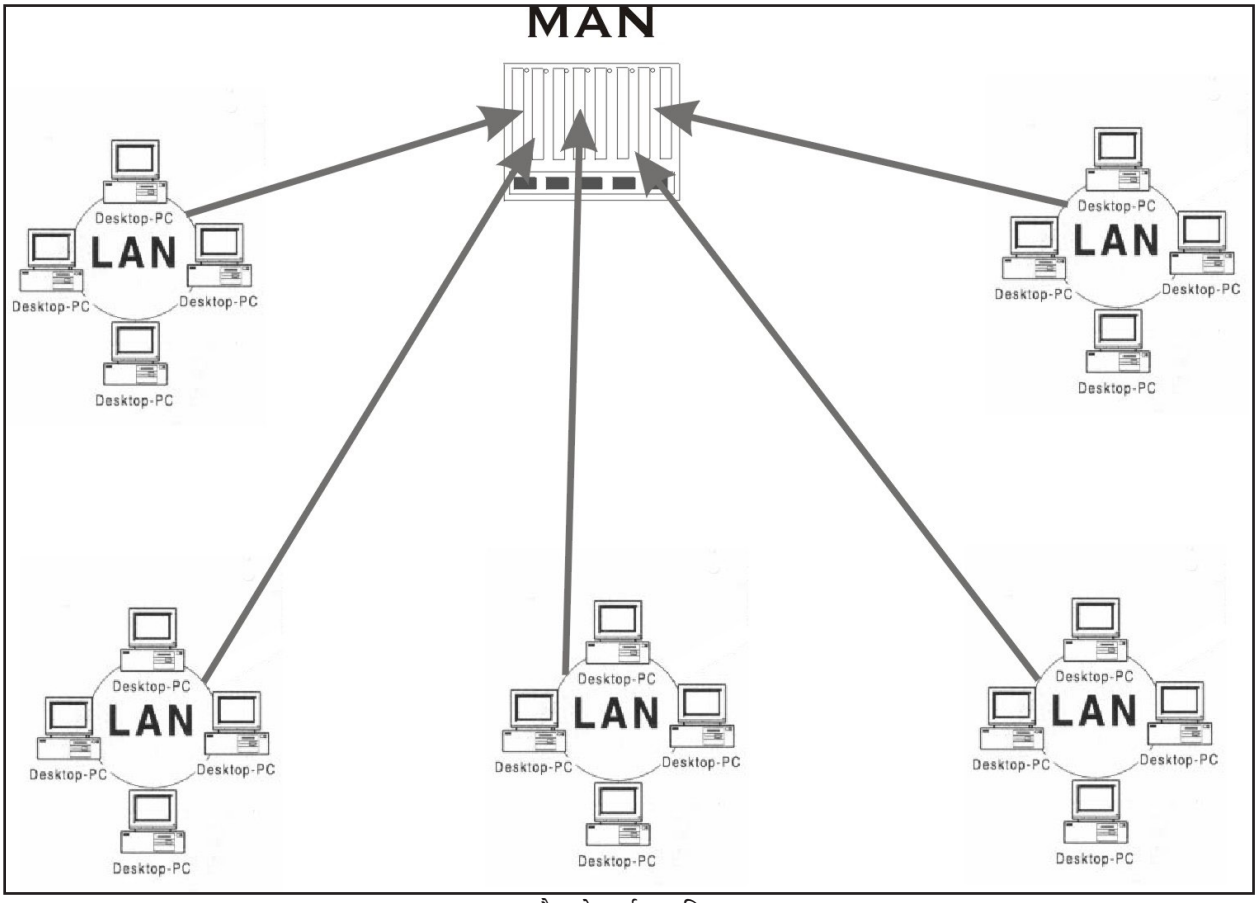
वायरलेस लोकल एरिया नेटवर्क का चित्र

2. वाईड एरिया नेटवर्क-वैन **(Wide Area Network-WAN)**- इस नेटवर्क में कम्प्यूटर आपस में लीज्ड लाईन या स्विच सर्किट के मदद से जुड़े होते है। इस प्रकार के नेटवर्क का एरिया बहुत ही बड़ी होती है। जैसे- पूरे एक शहर, देश या महादेश में फैला नेटवर्क। इन्टरनेट इसका एक अच्छा उदाहरण है। बैंको के **ATM** वाईड एरिया नेटवर्क से ही जुड़े होते है।



वाईड एरिया नेटवर्क का चित्र

3. मेट्रोपॉलिटन एरिया नेटवर्क-मैन **(Metropolitan Area Network-MAN)**- इस नेटवर्क में एक शहर के के भीतर ही दो या दो से अधिक लोकल एरिया नेटवर्क आपस में जुड़े होते है। राउटर, स्विच और हब्स मिलकर एक मेट्रोपॉलिटन एरिया नेटवर्क का निर्माण करते है।



मैन नेटवर्क का चित्र

इंटरनेट क्या है ?

इंटरनेट का सफर, 1970 के दशक में, विंट सर्फ **(Vint Cerf)** और बाब काहन् **(Bob Kanh)** के द्वारा शुरू किया गया। उन्होनें एक ऐसे तरीके का आविष्कार किया, जिसके द्वारा कंप्यूटर पर किसी सूचना को छोटे-छोटे पैकेट में तोड़ा जा सकता था और दूसरे कम्प्यूटर में इस प्रकार से भेजा जा सकता था कि वे पैकेट दूसरे कम्प्यूटर पर पहुंच कर पुनः उस सूचना कि प्रतिलिपी बना सकें। अथार्त कंप्यूटरों के बीच संवाद करने का तरीका निकाला। इस तरीके को ट्रांसमिशन कंट्रोल प्रोटोकॉल **(Transmission Control Protocol-TCP)** कहा गया।

सूचना का इस तरह से आदान प्रदान करना तब भी दुहराया जा सकता है जब किसी भी नेटवर्क में दो से अधिक कंप्यूटर हों। क्योंकि किसी भी नेटवर्क में हर कम्प्यूटर का खास पता होता है। इस पते को इण्टरनेट प्रोटोकॉल पता **(Internet Protocol-IP address)** कहा जाता है। इण्टरनेट प्रोटोकॉल पता वास्तव में कुछ नम्बर होते हैं जो एक दूसरे से एक बिंदु के द्वारा अलग-अलग किए गए हैं।

जैसे- 192.168.1.100।

सूचना को जब छोटे-छोटे पैकेटों में तोड़ कर दूसरे कम्प्यूटर में भेजा जाता है तो यह पैकेट एक तरह से एक चिट्ठी होती है जिसमें भेजने वाले कम्प्यूटर का पता और पाने वाले कम्प्यूटर का पता लिखा होता है। जब वह पैकेट किसी भी नेटवर्क कम्प्यूटर के पास पहुंचता है तो कम्प्यूटर देखता है कि वह पैकेट उसके लिए भेजा गया है या नहीं। यदि वह पैकेट उसके लिए नहीं भेजा गया है तो वह उसे आगे उस दिशा में बढ़ा देता है जिस दिशा में वह कंप्यूटर है जिसके लिये वह पैकेट भेजा गया है। इस तरह से पैकेट को एक जगह से दूसरी जगह भेजने को इण्टरनेट प्रोटोकॉल **(Internet Protocol-IP)** कहा जाता है।

अक्सर कार्यालयों या घरों के सारे कम्प्यूटर आपस में एक दूसरे से जुड़े रहते हैं और वे एक दूसरे से संवाद कर सकते हैं। इसको **Local Area Network-LAN** लैन कहते हैं। लैन में जुड़ा कोई कंप्यूटर या कोई अकेला कंप्यूटर, दूसरे कंप्यूटरों के साथ टेलीफोन लाइन या सेटेलाइट से जुड़ा रहता है। अर्थात, दुनिया भर के कम्प्यूटर एक दूसरे से जुड़े हैं। इण्टरनेट, दुनिया भर के कम्प्यूटर का ऐसा नेटवर्क है जो एक दूसरे से संवाद कर सकता है।

इंटरनेट-क्रांति

आज इंटरनेट हर जगह प्रयोग हो रहा है, विगत कई वर्षों में लोग इससे इस तरह जुड़ गये है कि आने वाले समय में बिना इंटरनेट के किसी भी तकनीक की कल्पना करना सभंव नहीं होगा। आाज कोई भी क्षेत्र इंटरनेट से अछूता नहीं है, आाज भारत में इंटरनेट की वजह से ई-गवर्नेस का लाभ गांवों एवं पंचायतों को मिल रहा है। इस तरह से अनेकों लाभ आज हमें मिल रहे है।

इन्टरनेट कनेक्शन के प्रकार

1. अनालॉग/डायल अप
2. आई एस डी एन
3. बी आई एस डी एन
4. डी एस एल
5. केबल
6. वायरलेस इन्टरनेट कनेक्शन/ब्रोड्बैंड तकनीक
7. टी-1 लाईन
8. टी-3 लाईन

इंटरनेट के फायदे-

आज आप मिनटों में इंटरनेट पर गूगल की सहायता से कोई भी जानकारी प्राप्त कर सकते है, अगर आप स्टूडेन्ट है, तो आपके विषय से जुड़ी बहुत सारी जानकारीयाँ इंटरनेट पर उपलब्ध है। यदि आप काम्पटेटिप एक्ज़ाम की तैयारी कर रहे है, तो इंटरनेट से आपको बहुत मदद मिलती है। आप घर बैठे यूट्यूब पर वीडियो देखकर कुछ भी बनाना सीख सकते है। यदि आपको कहीं घूमने जाना चाहते है, तो आप गूगल मैप देख कर वहाँ की सारी जानकारी जैस- मौसम के बारें में और वहाँ के घूमने लायक जगहों की जानकारी प्राप्त कर सकते है। आप इंट. रनेट के मदद से घर बैठे ई-कॉमर्स के माध्यम से आप शॉपिग, इंटरनेट बैंकिग या व्यापार कर सकते है। महिलायें घर बैठे ही रेसीपी सीख सकती है। यदि आप बोर हो रहे हो तो इंटरनेट के ममद से आप गाना, फिल्म या गेम डाउनलोड कर सकते है।

इंटरनेट के नुकसान

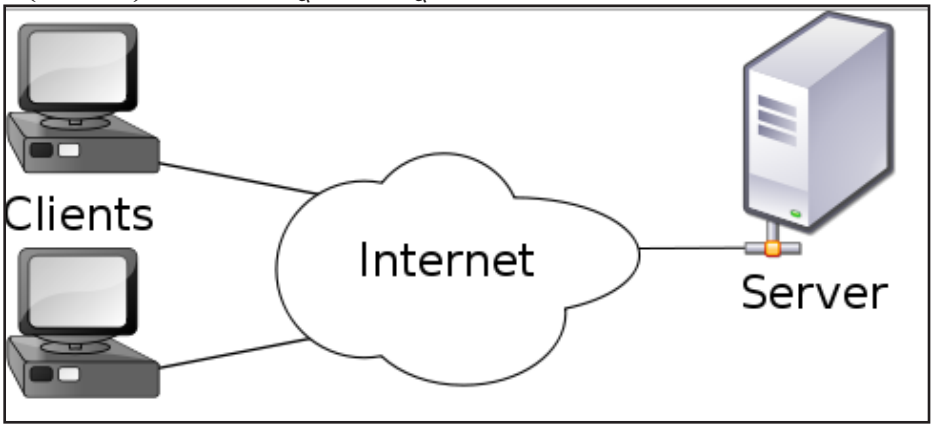
इंटरनेट दुनिया में इसका दुरुपयोग भी किया जर रहा है, कुछ लोग इंटरनेट पर सोशल नेटवर्किंग साइटों के आदि हो जाते है और रात-रात भर जागकर चैटिंग इत्यादि करते रहते है, इससे उनके स्वास्थ्य पर विपरीत असर पड़ता है। गलत तरीकें से इंटरनेट का इस्तेमाल करने से आपके कम्प्यूटर में वायरस आ सकता है, और आपके कीमती कम्प्यूअर को नुकसान पहुँचा सकता है। ऑनलाइन बैंकिग, सोशल नेटवर्किंग साइटों पर आपकी पर्सनल जानकारीयाँ जैसे- नाम, पता, फोटो और मोबाइल नंबर होते है, आपकी एक छोटी सी लापरवाही से हैकर्स इस जानकारी को चुराकर आपको आर्थिक और मानसिक रुप से क्षति पहुँचा सकते है।

प्रोरोनोग्राफी आज के समय में इन्टरनेट का सबसे जहर है। जिसमें कई लोग समाते चले जा रहे है। इस तरह के साईटस् पर ढ़ेरों अश्लील सामाग्री परोसी जाती है, जिसे देखकर लोग बर्बादी की तरफ अग्रसर हो रहे है। ये हमारे समाज में जहर की तरह घुल रहा है। बच्चे इसको देखकर बर्बाद हो रहे है। इसे रोकने के लिए सख्त नियम बनने चाहिए।

जिस प्रकार सागर मंथन से विष और अमृत दोनों निकले थे, ठीक उसी प्रकार इन्टरनेट पर भी ये दोनो ही है, अब ये उपयोगकर्त्ता पर निर्भर करता है कि वह क्या लेता है! विष या अमृत। इन्टरनेट से अगर आप बन सकते है तो विगड़ भी सकते है। इन्टरनेट का सही प्रयोग हमारे और हमारे देश दोनों के लिए अच्छा है।

इन्टरनेट के मुख्यतः दो ऑब्जेक्ट होते है :-

1. सर्वर **(Server)**- वैसा कंप्यूटर या प्रणाली जो सूचनाओं को भेजता हो।
2. क्लाइंट **(Client)**- वैसा कंप्यूटर जो सूचनाओं को प्राप्त करता हो।



वेब साईट क्या है ?

वेब साईट या साईट बहुत सारे वेब पेज का संग्रह है। वेब साईट वेब सर्वर पर एक खास नाम के साथ स्टोर किया होता है, जिसे इन्टरनेट के जरिये **client computer** पर खोला जाता है।

जैसे-



वेब ब्राउजर क्या है ?

वेब ब्राउजर एक कंप्यूटर प्रोग्राम होता है, जिसका प्रयोग **Client Computer** के द्वारा वेब पेज को खोलने के लिए किया जाता है।

जैसे-

1. Internet Explorer
2. Google Chrome
3. Firefox Mozila



सर्च इंजन क्या है ?

सर्च इंजन का मतलब खोज यन्त्र है जो लिखे शब्दों से सम्बन्धित वेबसाइट्स के पते ला कर देता है। सर्च इंजन से वेबसाइट्स के पते याद नहीं रखने पड़ते और जब चाहे जानकारी मिल जाती है।

कुछ प्रसिद्ध सर्च इंजनः-

1. www.google.com
2. www.yahoo.com
3. www.bing.com



इंटरनेट से जुड़े कुछ खास तथ्य-

1.www- वर्ल्ड वाइड वेब **(World Wide Web-WWW)** एक प्रकार का डेटा बेस है जिसकी सहायता से इंटरनेट पर सूचनाएं प्राप्त की जाती हैं। इसमें सूचनाओं को अलग-अलग शीर्षक और उपशीर्षक में रखा जाता है। हाइपर टेक्स्ट या लिंक **(HYPER TEXT OR LINK)** द्वारा एक सूचना को दूसरी सूचना से जोड़ा भी जा सकता है।

2. URL पता क्या है ?

URL, वह वेब पता है जिसे आप किसी वेबसाइट तक पहुंचने के लिए वेब ब्राउजर पर लिखते हैं। प्रत्येक वेबसा. इट का एक **URL** होता है. उदाहरण के लिए, **URL www.abice.co.in** आपको **abice** की वेबसाइट पर ले जाएगा।

3. IP पता क्या होता है ?

IP पता संख्याओं की एक श्रृंखला है, जो आपके कंप्यूटर को यह बताती है कि जो जानकारी आप ढूंढ रहे हैं वह कहां मिलेगी। **IP** पता एक फोन नंबर की तरह होता है। एक बहुत लंबा, जटिल फोन नंबर के जैसा। चूंकि **IP** पते बहुत जटिल और याद रखने में कठिन थे, इसलिए **URL** बनाए गए। **abice** की वेबसाइट में जाने के लिए कोई **IP** पता **103.209.146.7** लिखने की बजाए, आपको बस **URL- www.abice.co.in** लिखना है।

4. MODEM क्या है ?

मॉडेम एक कम्प्यूटर हार्डवेयर है जो कंप्यूटर के डिजिटल संकेतो को एनलॉग संकेतो में बदलकर नेटवर्क पर भेजता है और आने वाली एनलॉग संकेतो को डिजिटल संकेतो में बदलकर उसे कंप्यूटर के प्रयोग योग्य बनाता है। इसे कंप्यूटर के सिस्टम यूनिट के कम्युनिकेशन पोर्ट से जोड़ा जाता है।

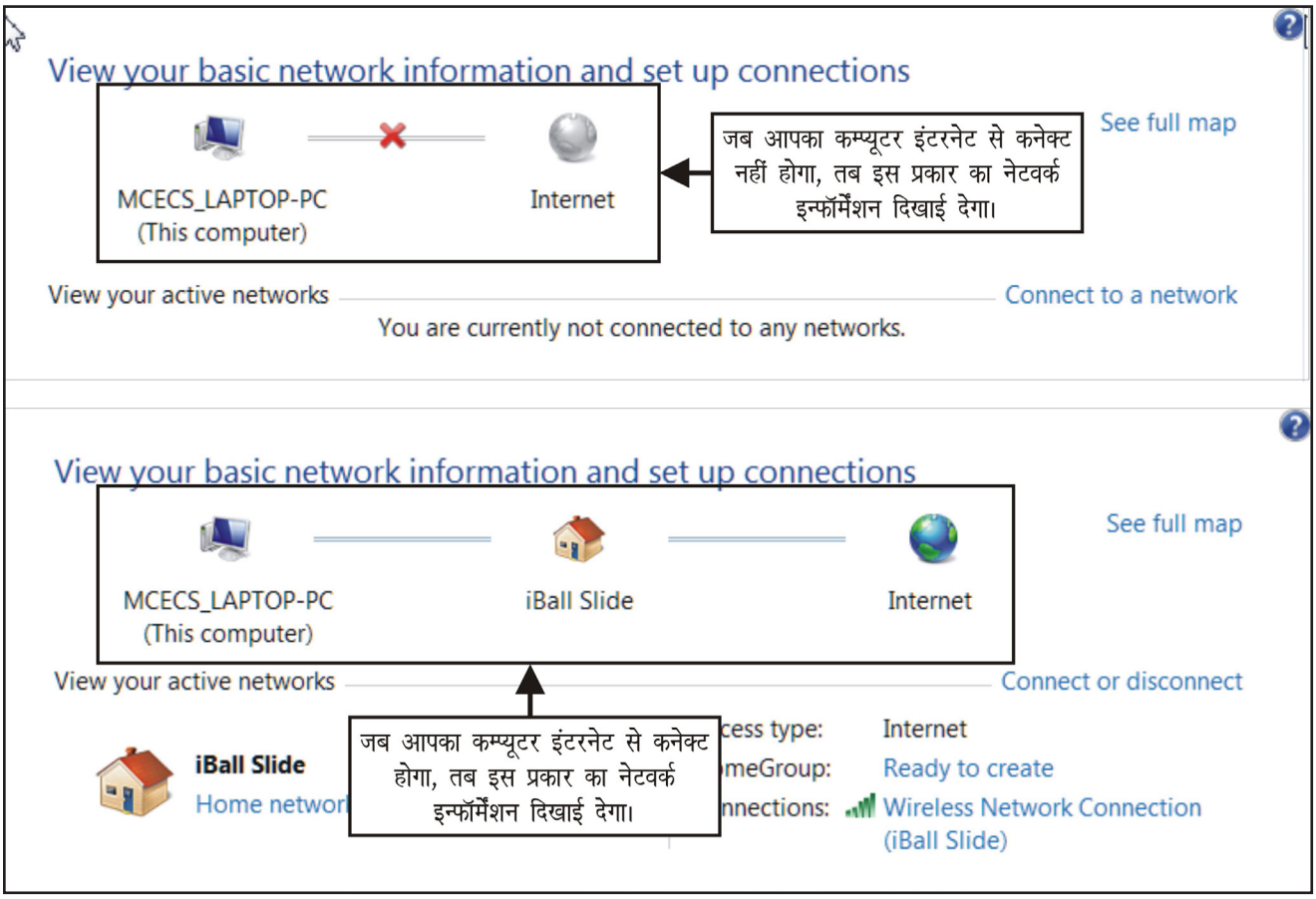
5. DNS- डोमेन नेम सिस्टम अनिवार्य रूप से वेब के लिए फोन बुक है। **DNS** आपके द्वारा दिये गए **URL** को **IP** पते में रूपांतरित कर देता है, जिससे आप उस साइट पर पहुंच जाते हैं, जिसे आप ढूंढ रहे हैं।

6. WEB LINK/HYPERLINK- वेब लिंक वेब पेज पर हाईपर टेक्ट को बनाने या देखने के लिए प्रयोग किया जाता है।

7. HTML-एच.टी.एम.एल **HyperText Markup Language** का संक्षिप्त रुप है। यह वेब पृष्ठों के लिये एक प्रमुख मार्कअप भाषा है। यह किसी वेब पेज में टैक्स्ट आधारित जानकारी की संरचना को निर्धारित करने का साधन है। इसके लिये यह टैक्स्ट विशेष को लिंक, हैडिंग, पैराग्राफ, सूची आदि के रुप में नोट करती है तथा इसमें इंटरैक्टिव फॉर्म, चित्र, तथा अन्य ऑबजॅक्ट जोडती है। **HTML** टैग्स के रुप में लिखी जाती है जो कि एंगल ब्रैकेट (<) तथा (>) के द्वारा घिरी होती है।

यह पता करना कि आपका कम्प्यूटर इंटरनेट से कनेक्ट है कि नहीं ?

1. स्टार्ट बटन पर क्लिक करें।
2. कंट्रोल पैनल को खोलें।
3. नेटवर्क एंड शेयरिंग सेन्टर टुल को खोलें।
4. नीचे दिये गए चित्र को समझें।



गुगल क्रोम वेब ब्राउजर का प्रयोग–

गुगल क्रोम आज के समय में सबसे प्रसिद्ध और आसानी से प्रयोग होने वाला फ्री वेब ब्राउजर है। इसे अमेरिकन कम्पनी गुगल के द्वारा बनाया गया है।

इसके प्रयोग के लिए, आपको पहले इसे अपने कम्प्यूटर में डाउनलोड करना होता है। इसे निम्न पते से डाउनलोड किया जा सकता है।

https://www.google.com/chrome/



गुगल क्रोम वेब ब्राउजर का आइकॉन

गुगल क्रोम वेब ब्राउजर का शुरु करना–

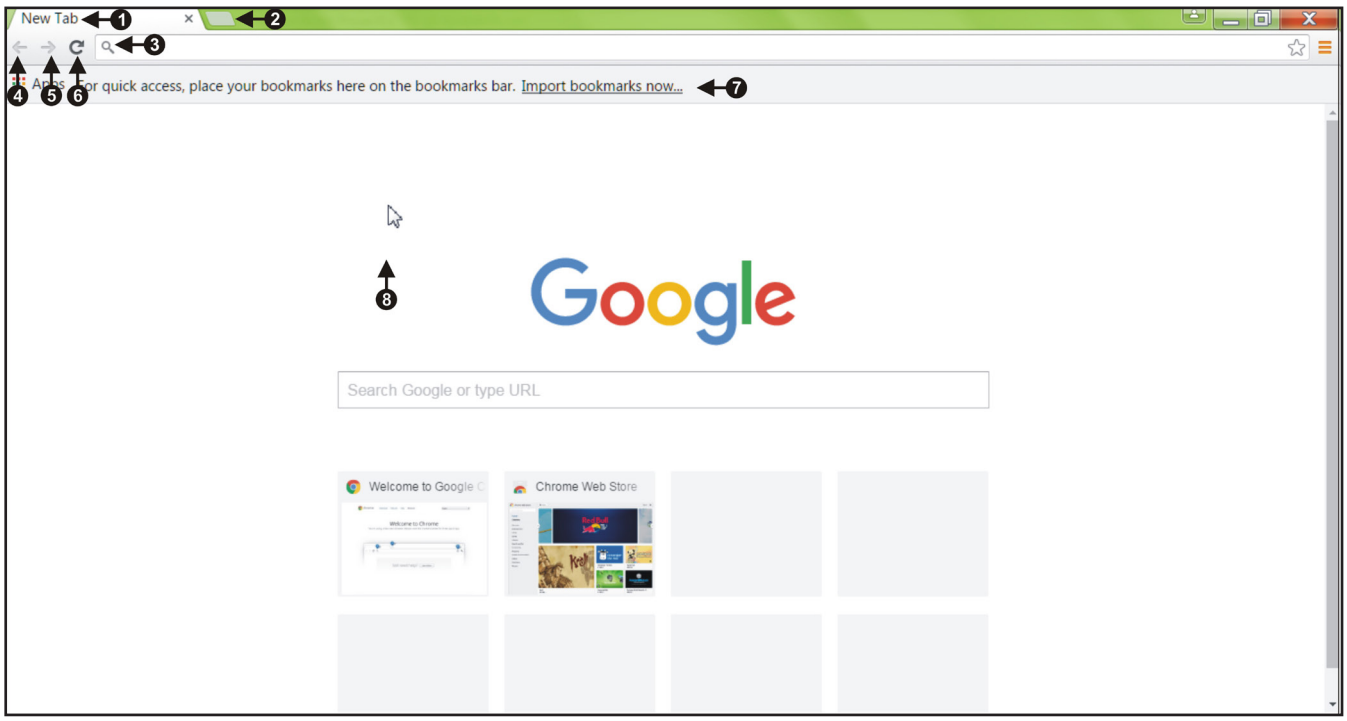
1. विडोंज डेस्कटॉप पर बने गुगल क्रोम आइकॉन पर डबल क्लिक करें।



गुगल क्रोम वेब ब्राउजर का शुरु करना–

1. विडोंज डेस्कटॉप पर बने गुगल क्रोम आइकॉन पर डबल क्लिक करें।

गुगल क्रोम वेब ब्राउजर का इंटरफेस

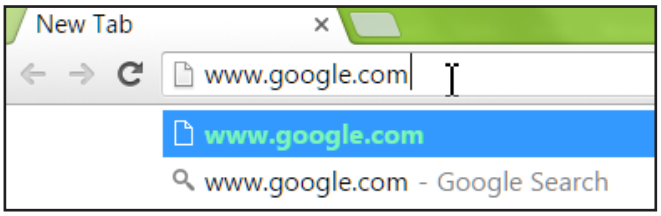


गुगल क्रोम वेब ब्राउजर के ऑब्जेक्ड–

1. करेंट टैब
2. न्यु टैब
3. एड्रेस बार
4. बैक बटन
5. फॉरवार्ड बटन
6. रिफ्रेश बटन
7. बुकमार्क पैनल
8. कन्टेन्ट एरिया

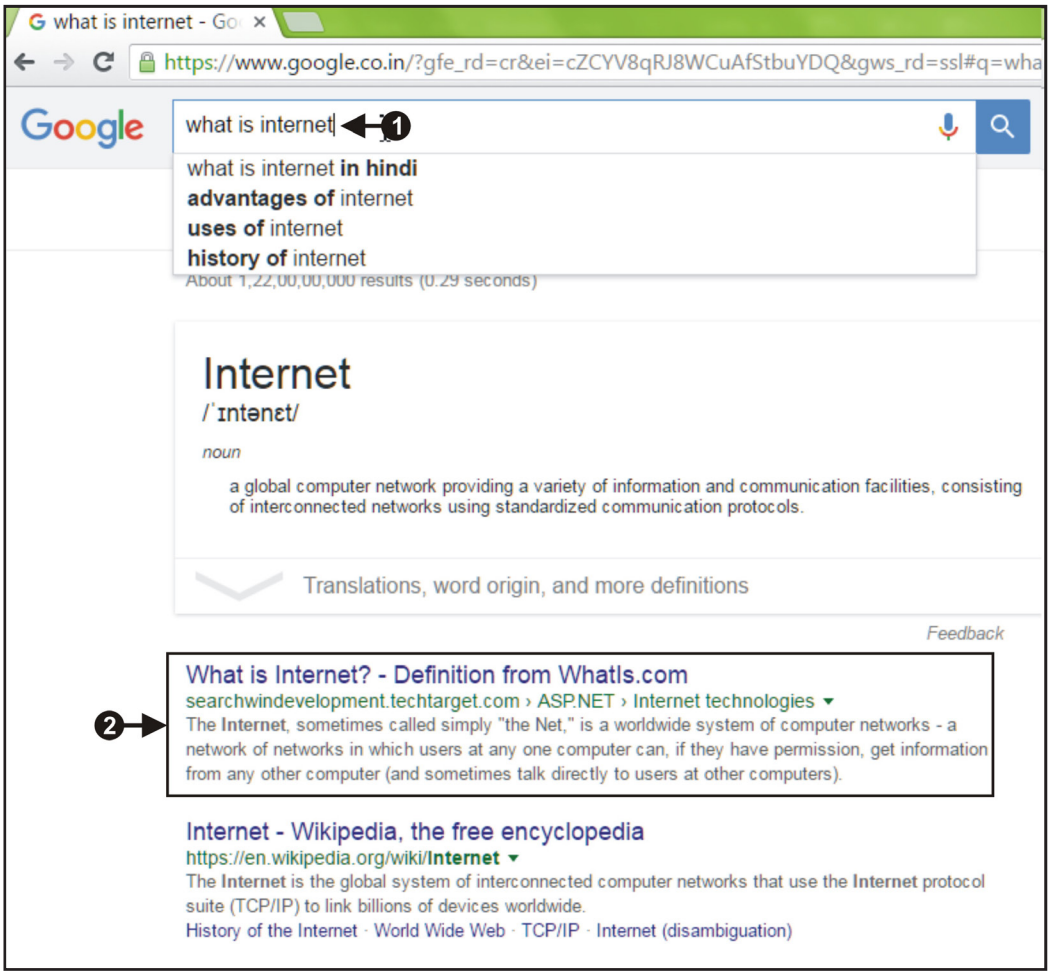
गुगल सर्च इंजन को लोड करना–

1. एड्रेस बार में **www.google.com** को टाईप करें।



गुगल सर्च इंजन के मदद से किसी प्रश्न के उत्तर को खोजना–

1. गुगल सर्च बार में अपना प्रश्न टाईप करें।



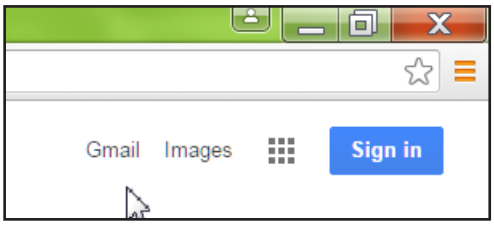
गुगल सर्च इंजन के मदद से किसी वेबसाईट को खोजना–

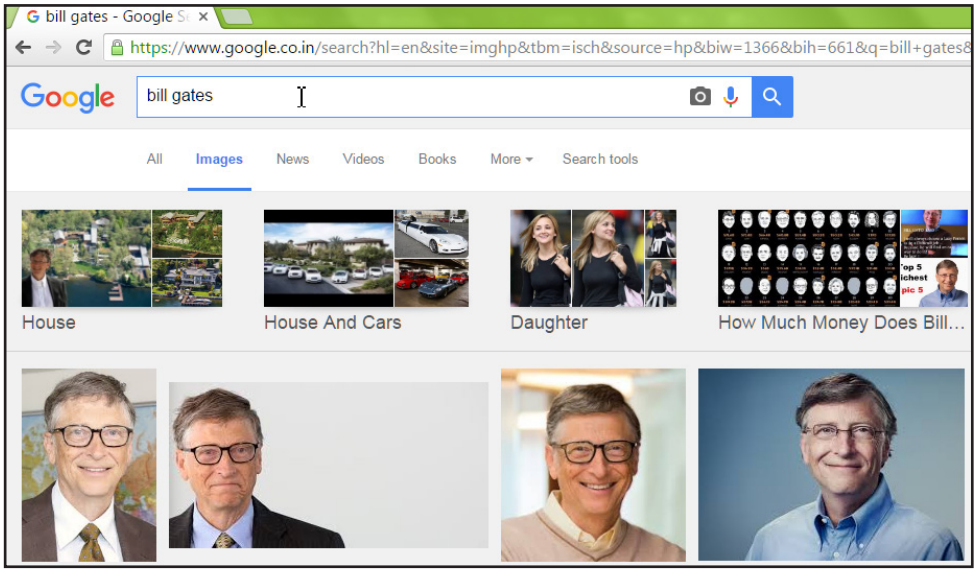
1. गुगल सर्च बार में वेबसाईट से सम्बधिंत कीवर्ड को टाईप करें।



गुगल सर्च इंजन के मदद से पिक्चर को सर्च करना–

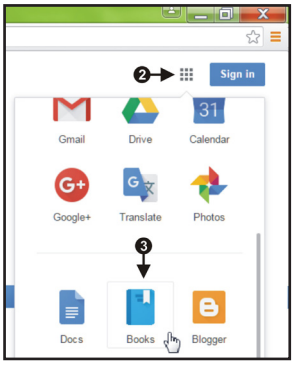
1. गुगल सर्च ईंजन को लोड करें।
2. स्क्रीन के दाहिनें तरफ से ईमेजज् लिंक पर क्लिक करें।
3. गुगल ईमेजज् सर्च बार में ईमेज का नाम टाईप करें।

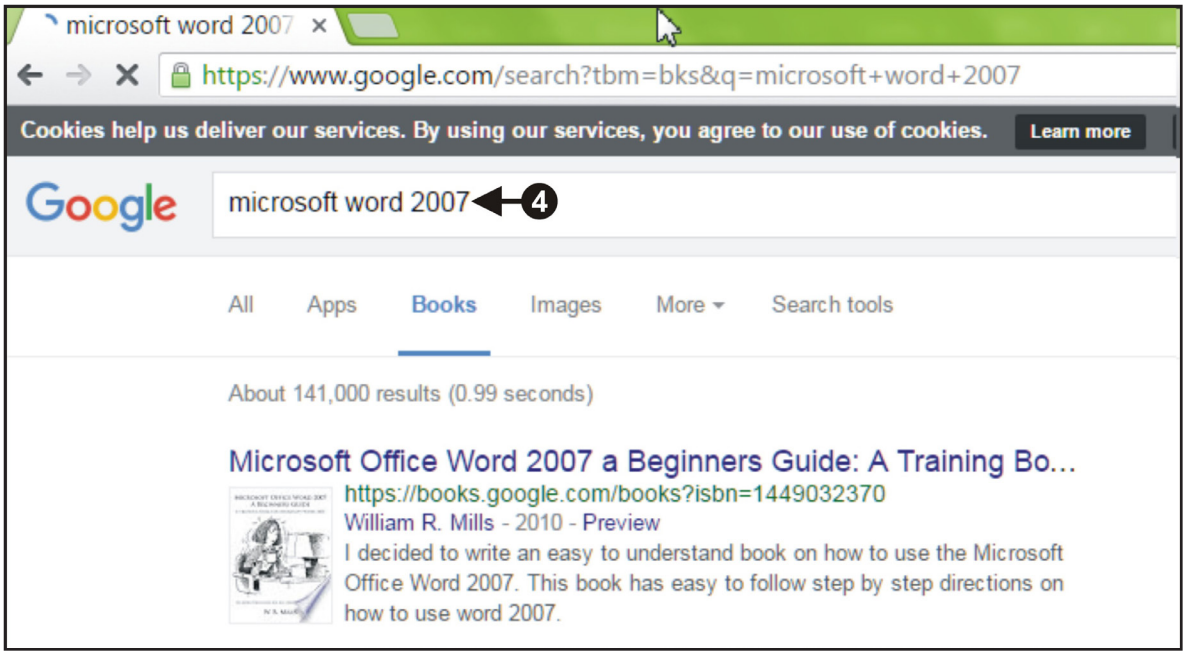




गुगल बुक का प्रयोग करना–

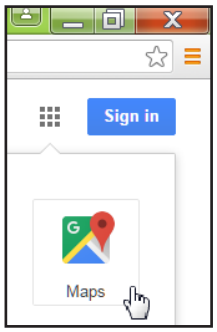
1. गुगल सर्च ईंजन को लोड करें।
2. स्क्रीन के दाहिनें तरफ से गुगल ऐप्स बटन पर क्लिक करें।
3. ऐप्स लिस्ट से बुक्स को चुनें।
4. गुगल बुक सर्च बार में बुक का नाम टाईप करें।

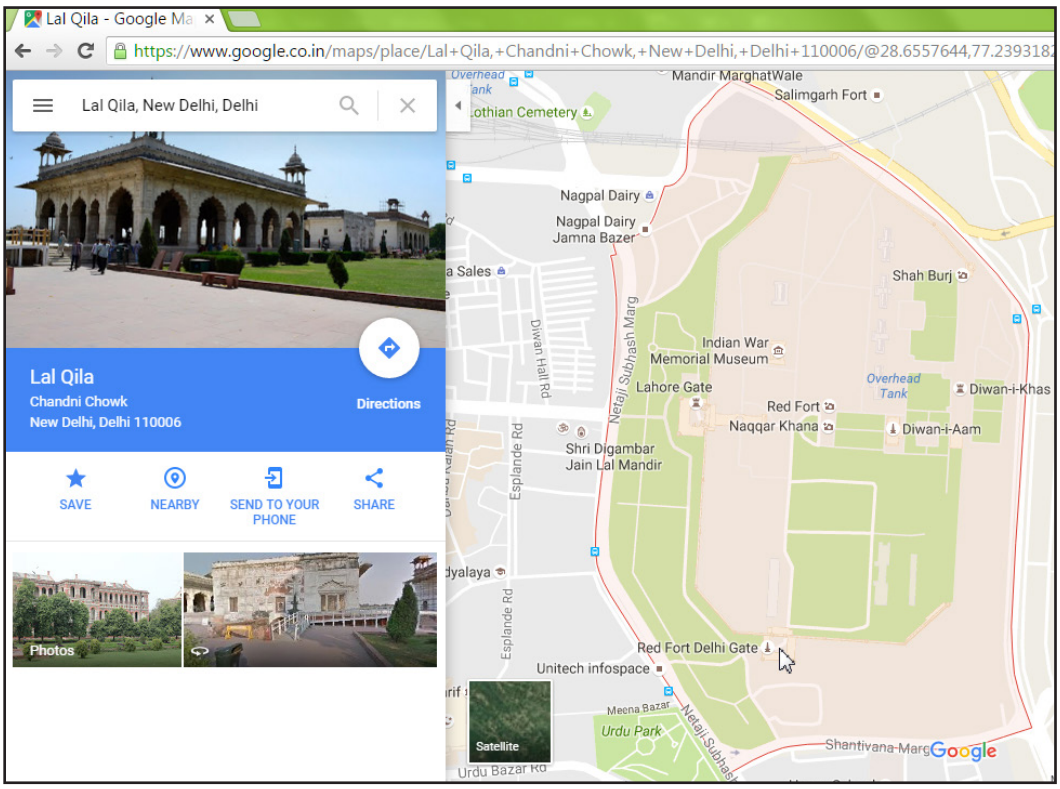




गुगल मैप का प्रयोग करना–

1. गुगल सर्च ईंजन को लोड करें।
2. स्क्रीन के दाहिनें तरफ से गुगल ऐप्स बटन पर क्लिक करें।
3. ऐप्स लिस्ट से मैप को चुनें।
4. जिस जगह को गुगल मैप में देखना चाहते है, उसका नाम टाईप करें।

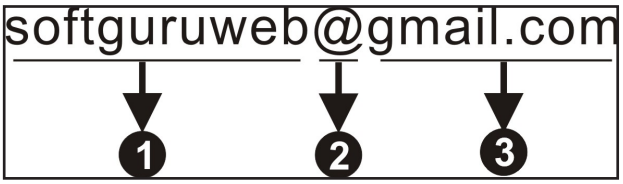




ई-मेल के मूलभूत तत्व (Understanding Basics of e-mail)-

e-mail, electronic mail का छोटा नाम है। ई-मेल के माध्यम से हम विश्व के किसी कोने में बैठे व्यक्ति से तेजी एवं आसानी से बात कर सकते है, उसे इलेक्ट्रानिक रुप से पत्र भेज सकते है साथ ही पत्र के साथ पिक्चर या अन्य फाइल्स को अटैच करके भेज सकते है।

ई-मेल की सुविधा लेने के लिए, सबसे पहले आपको इंटरनेट पर एक ई-मेल पता का निर्माण करना होगा।



ई-मेल के तत्व-

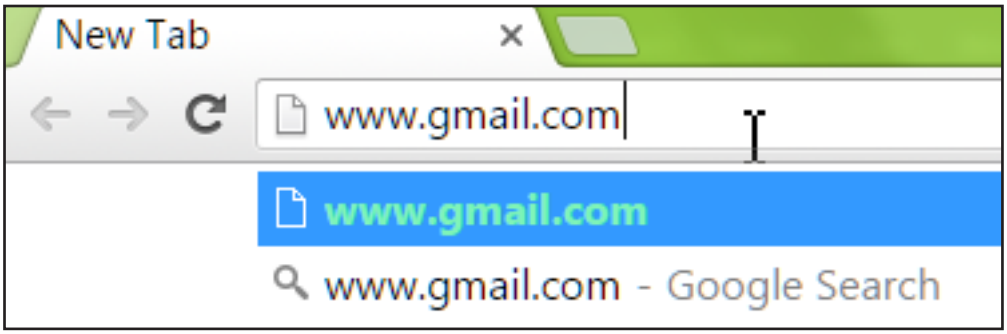
1. ई-मेल पता का पहला हिस्सा किसी व्यक्ति या कम्पनी का नाम होता है। जैसे- यहाँ हमनें **softguruweb** नाम दिया है। यह नाम हमेशा अनोखा होना चाहिए। अर्थात, इस नाम को दुसरा कोई प्रयोगकर्त्ता प्रयोग में नहीं ला सकता।
2. ई-मेल का दुसरा हिस्सा @ चिन्ह होता है। यह सभी ई-मेल पते के लिए जरुरी है।
3. ई-मेल का तीसरा हिस्सा ई-मेल सेवा प्रदान करने वाली इंटरनेट कम्पनी का होता है।

नोट- कुछ ई-मेल सेवा प्रदान करने वाली प्रमुख कम्पनियाँ है-

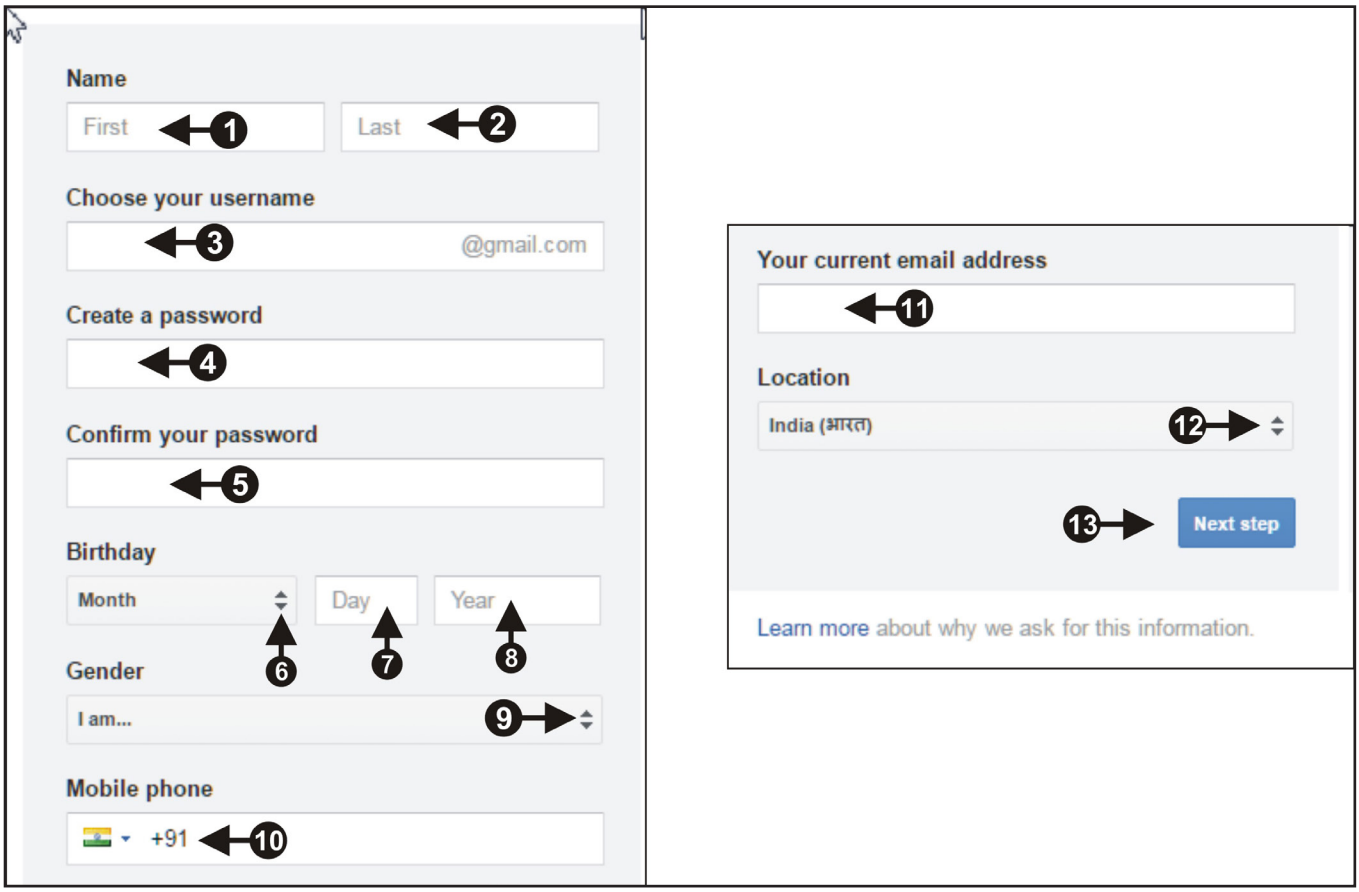
1. www.gmail.com
2. www.yahoo.com
3.www.rediffmail.com
4. www.hotmail.com

Gmail के मदद से एक नया ई-मेल अकांउट का निर्माण करना।

1. गुगल क्रोम वेब ब्राउजर को ओपन करें।
2. एड्रेस बार में **www.gmail.com** टाईप करें।
3. अगले पेज पर दिये गए निर्देशों का पालन करें।

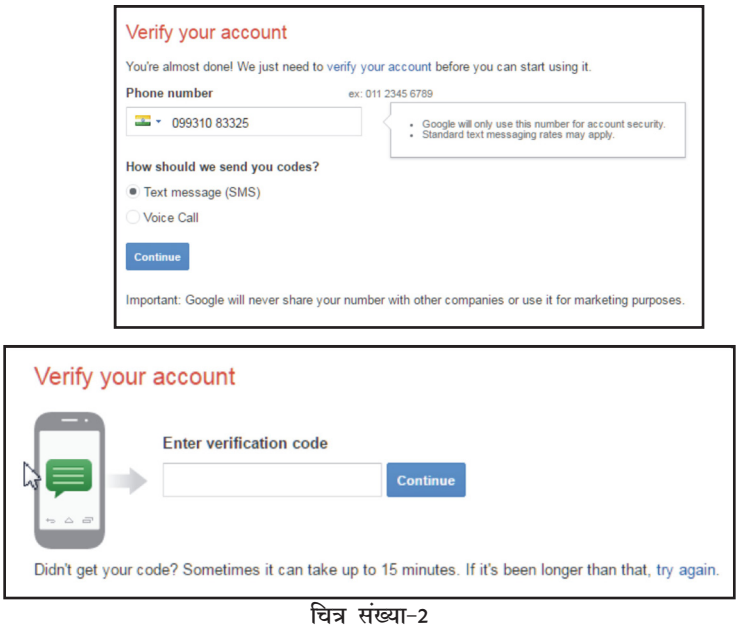


gmail में एक नई ई-मेल अकांउट का निर्माण करने के लिए, आपको निम्न दिये गए फॉर्म को भरना होगा।



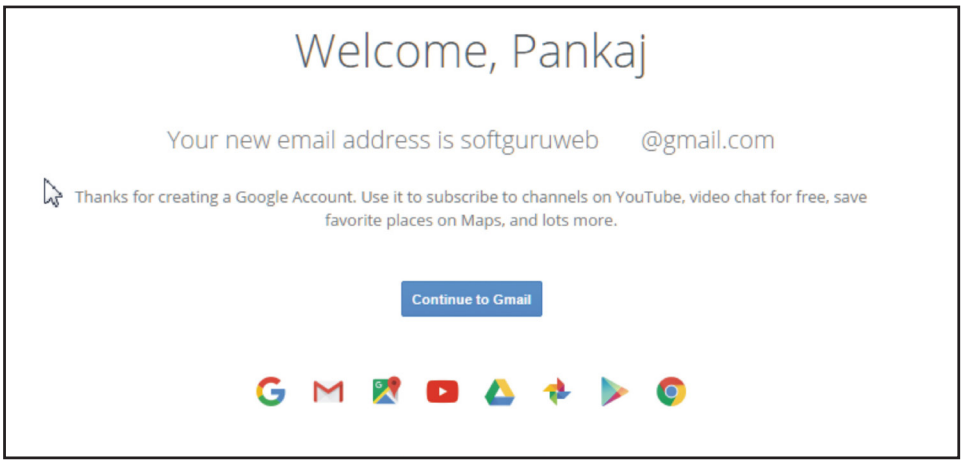
1. अपना पहला नाम टाईप करें।
2. अपना लास्ट नाम टाईप करें।
3. ई-मेल अकांउट के लिए नाम टाईप करें। (यह एक अनोखा नाम होगा।)
4. ई-मेल अकांउट के लिए पासवर्ड टाईप करें (पासवर्ड 8 अक्षर से छोटा नहीं होना चाहिए, और अक्षर के साथ अंक का मिश्रण होना चाहिए। आसानी से पहचान होने वाले नाम जैसे- मोबाईल नं०, कोई नाम इत्यादि को पासवर्ड के रुप में नहीं बनाना चाहिए।
5. ऊपर दिये गए पासवर्ड को दुबारा पुनः टाईप करें।
6. अपना जन्म तारीख का महीना चुनें।
7. अपना जन्म तारीख का दिन टाईप करें।
8. अपना जन्म तारीख का वर्ष टाईप करें।
9. अपना लिंग चुनें।
10. अपना मोबाईल नम्बर टाईप करें।
11. यदि आपके पास पहले से कोई ई-मेल अकांउट है तो, इसे टाईप करें। (आप इसे खाली भी छोड़ सकते है।)
12. अपना लोकेशन चुनें।
13. नेक्स्ट स्टेप बटन पर क्लिक करें।
14. **I AGREE** बटन पर क्लिक करके गुगल प्राइवसी एंड टर्म्ज़ को ऐक्सेप्ट करें।

15. अकांउट वेरीफिकेशन को पुरा करें। (अकांउट वेरीफाई करने के लिए आपको अपना मोबाईल नम्बर टाईप करने के बाद कन्टिन्यू बटन पर क्लिक करना होता है। इसके बाद आपके मोबाईल पर एक SMS मिलेगा। जहाँ से आप कोड को निचे दिए गए चित्र संख्या-2 में टाईप करके अकांउट को वेरीफाई कर सकते है।)

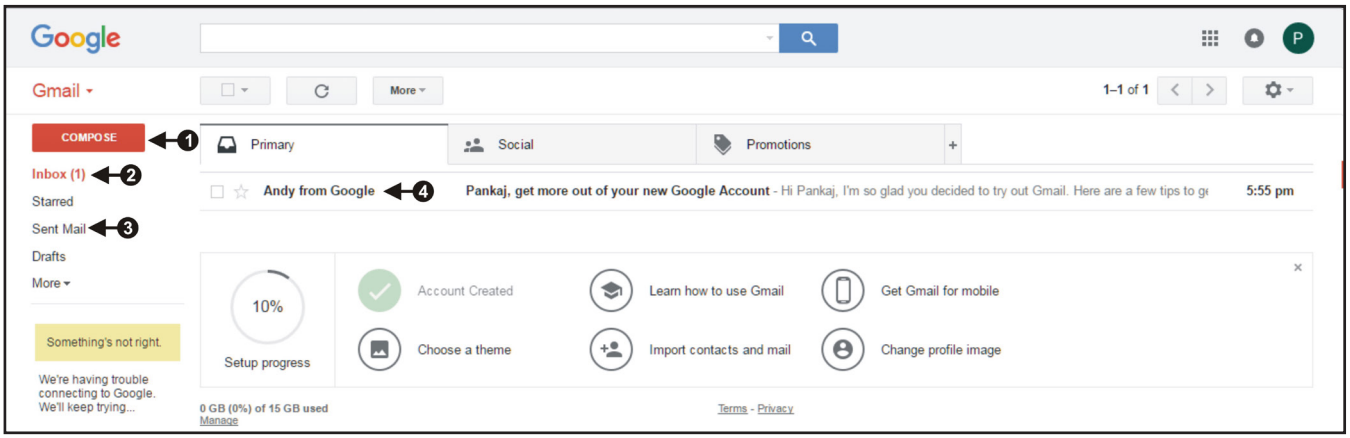


चित्र संख्या-2

16. कन्टिन्यू टु जिमेल बटन पर क्लिक करें।



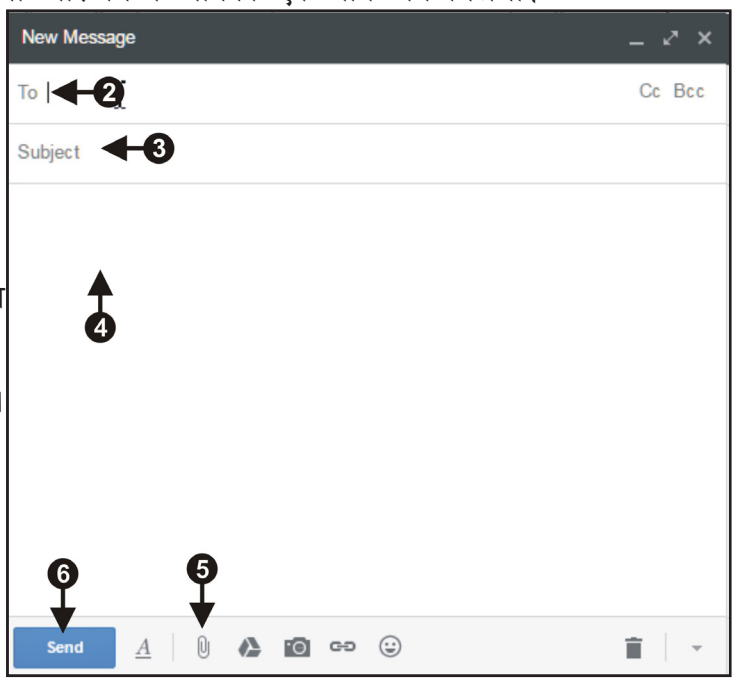
ई-मेल अकांउट लॉग-इन करने के बाद का इंटरफेस-



1. नया ई-मेल कम्पोज़ करने का बटन।
2. इनबॉक्स खोलने का लिंक।
3. आपके द्वारा भेजे गए ई-मेल देखने का लिंक।
4. इनबॉक्स में स्टोर ई-मेल।

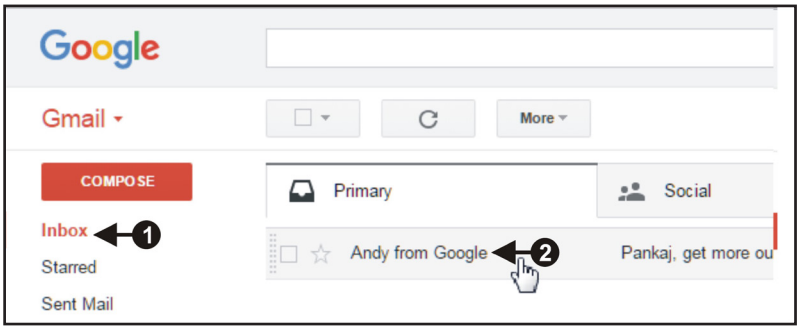
एक नई ई-मेल भेजना।

1. कम्पोज़ बटन पर क्लिक करें। (स्क्रीन के दाहिनी ओर निम्न आपको एक पॉप-अप मिलेगा।
2. आप जहाँ मेल भेजना चाहते है, उसका ई-मेल पता टाईप करें।
(जैसे- **softguruweb@gmail.com**)
3. मेल का विषय टाईप करें।
4. मेल कन्टेन्ट को टाईप करें।
5. यदि आप मेल के साथ कोई पिक्चर या फाइल अटैच करना चाहते है, तो उसे चुनें।
6. मेल भेजने के लिए सेंड बटन पर क्लिक करें।



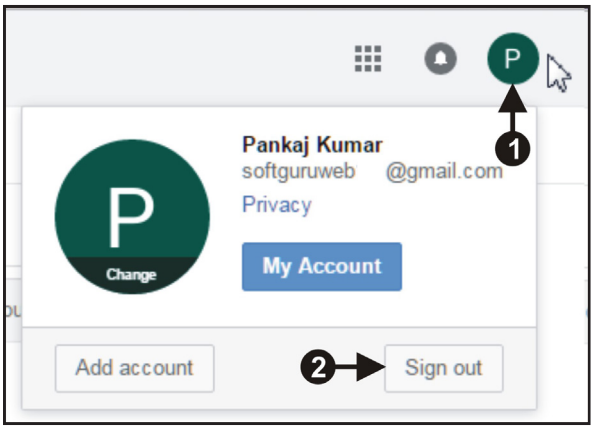
ई-मेल को प्राप्त करना/पढ़ना-

1. इनबॉक्स लिंक पर क्लिक करें।
2. जिस मेल को आप पढ़ना चाहते है, उसे मेल लिस्ट से चुनें।



ई-मेल को को साइन आउट करना। (ई-मेल अकांउट से बाहर आना।)

1. गुगल अकांउट आइकॉन पर क्लिक करें
2. साइन आउट बटन पर क्लिक करें।

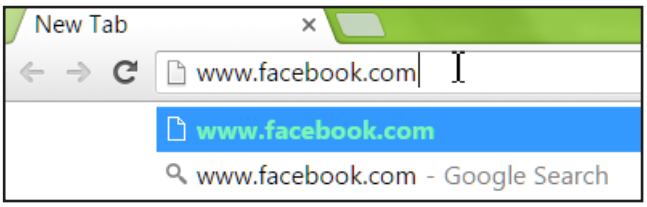


फेसबुक का प्रयोग करना–

फेसबुक एक प्रसिद्ध सोशल नेटवर्किंग वेबसाईट है। इसका प्रयोग आज करोड़ो लोग कर रहे है। इसके प्रयोग से आप अपने बात-विचार को अन्य लोगों के साथ बाँट सकते है, अपने दोस्तों, रिश्तेदारों और परिवार के साथ इन्टरनेट के माध्यम से हमेशा कनेक्ट रह सकते है।

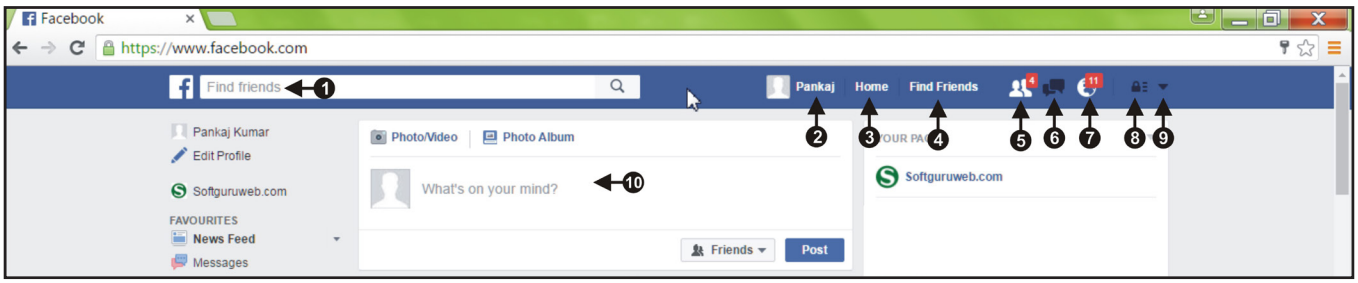
फेसबुक को शुरु करना–

1. गुगल क्रोम वेब ब्राउजर को ओपन करें।
2. एड्रेस बार में **www.facebook.com** को टाईप करें।
3. फेसबुक पर एक नई अंकाउट बनाने के लिए फॉर्म को भरें।





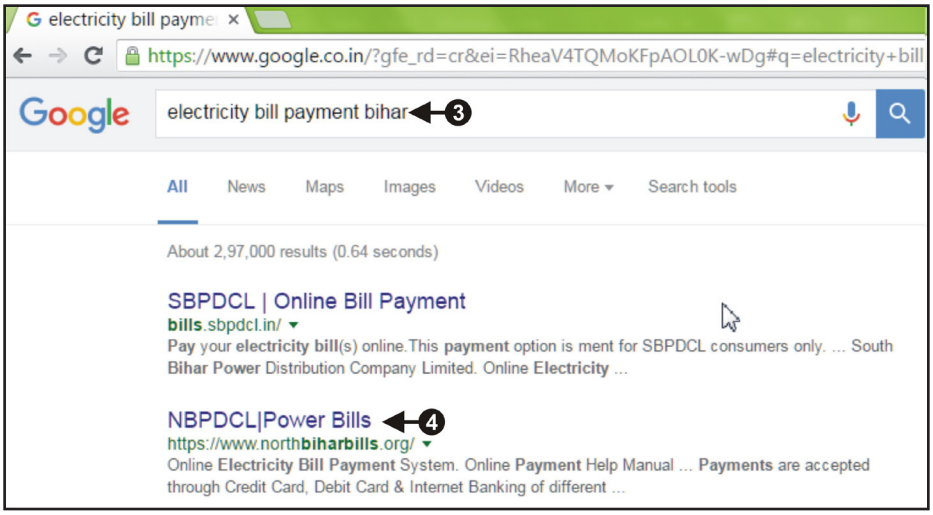
फेसबुक को लॉग-ईन करने के बाद का इंटरफेस–



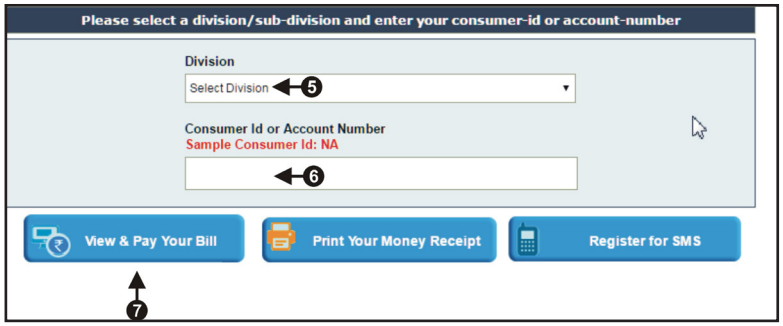
1. फाइन्ड फ्रेन्डस् पैनल- यहाँ से आप अपने दोस्तों या आपको जानने वाले व्यक्ति को खोज सकते हे।
2. प्रोफाइल बटन- इस बटन के प्रयोग से आप अपने प्रोफाइल पेज को एक्सेस करते है।
3. होम बटन- इस बटन के प्रयोग से आप फेसबुक के होम पेज को एक्सेस करते है।
4. फाइन्ड फ्रेन्डस् बटन- इस बटन के प्रयोग से आप फेसबुक के द्वारा सग्जेस्ट फ्रेडंस या फ्रेंडस रिक्वेस्ट पेज को एक्सेस करते है।
5. फ्रेंडस् रिक्वेस्ट बटन
6. मैसेज बटन
7. नोटफ़कैशन बटन
8. प्राइवेसी शॉटकर्टस् बटन
9. लॉग आउट बटन
10. मैसेज/फोटो/विडियो पोस्ट बॉक्स- इस पैनल के मदद से आप अपने मैसेज/फोटो/विडियो को फेसबुक पर पोस्ट करते है।

इंटरनेट के मदद से इलेक्ट्रिसिटी बिल को देखना और भुगतान करना।

1. गुगल क्रोम वेब ब्राउजर को खोलें।
2. गुगल सर्च ईजन को लोड करें।
3. **electricity bill payment bihar** टेक्स्ट को गुगल सर्च बार में टाईप करें।
4. **NBPDCL|Power Bills** लिंक पर क्लिक करें।



5. अपना डिविजन चुनें।
6. अपना कन्जूमर आई.डी. को टाईप करें।
7. व्यू एडं पे योर बिल बटन पर क्लिक करें।
8. बिल प्रिंट करने के लिए प्रिंट बटन पर क्लिक करें।
9. बिल पेमेंट करने के लिए पे बिल बटन पर क्लिक करें।





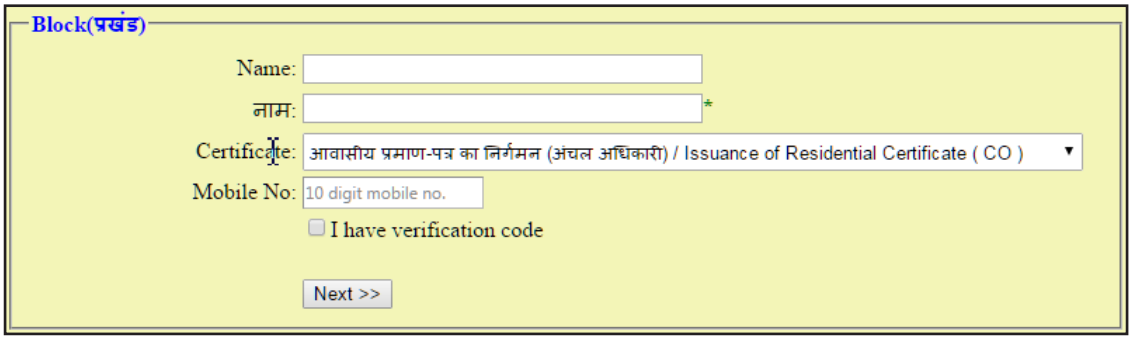
नोटः– इलेक्ट्रिसिटी बिल वेबसाईट को सभी रीजन के लिए अलग-अलग नाम से बनाया गया है। हमनें यहाँ अपने रीजन (**https://www.northbiharbills.org/**) को सलेक्ट किया है। आपके रीजन और कन्जूमर आई.डी. की जानकारी आपके इलेक्ट्रिसिटी बिल या ऑफिस से मिलेगी।

इन्टरनेट के मदद से आवासीय (Residential), जाति (caste) या आय (income) प्रमाण-पत्र के लिए आवेदन करना।-

1. **Bihar Right to P U B L I C Service** टेक्स्ट को गुगल सर्च ईंजन में सर्च करें।
2. **Bihar Right to P U B L I C Service** लिंक पर क्लिक करें।
(**210.212.23.57/online/OnlineApply/verify.aspx**)
3. आप अपना प्रमाण पत्र कहाँ से प्राप्त करना चाहते है- चुनें।

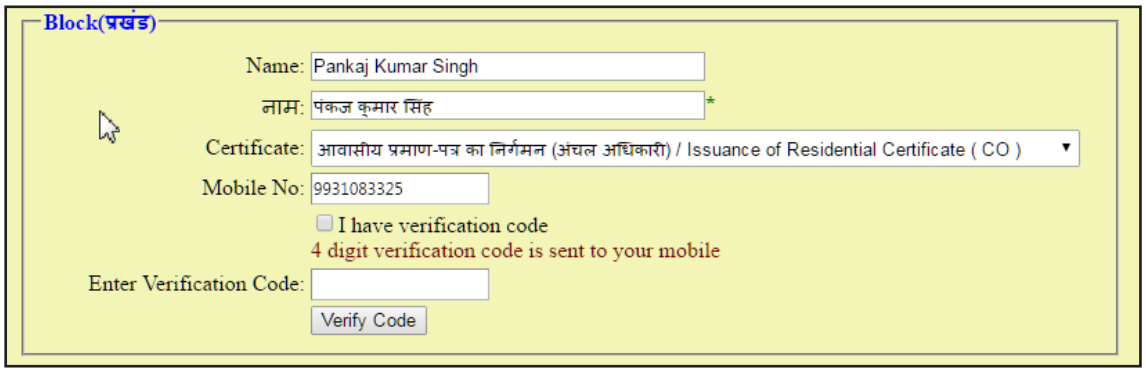


4. अपना नाम टाईप करें।
5. आप जो प्रमाण पत्र चाहते है, उसे चुनें।
6. अपना मोबाईल नं० टाईप करें।

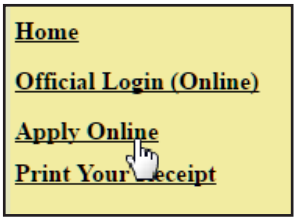


7. नेक्स्ट बटन पर क्लिक करें।

8. आपके द्वारा दिये गए मोबाईल नम्बर पर प्राप्त 4 अंकों का वेरीफिकेशन कोड को एंटर करें।



9. अगले स्क्रीन के साइड नेविगेशन से अप्लाई ऑनलाईन लिंक पर क्लिक करें।



10. मैं सहमत हूँ लिंक पर क्लिक करें।

11. फॉर्म को भरें और सब्मिट करें।

ऑनलाईन शॉपिंग करना।-

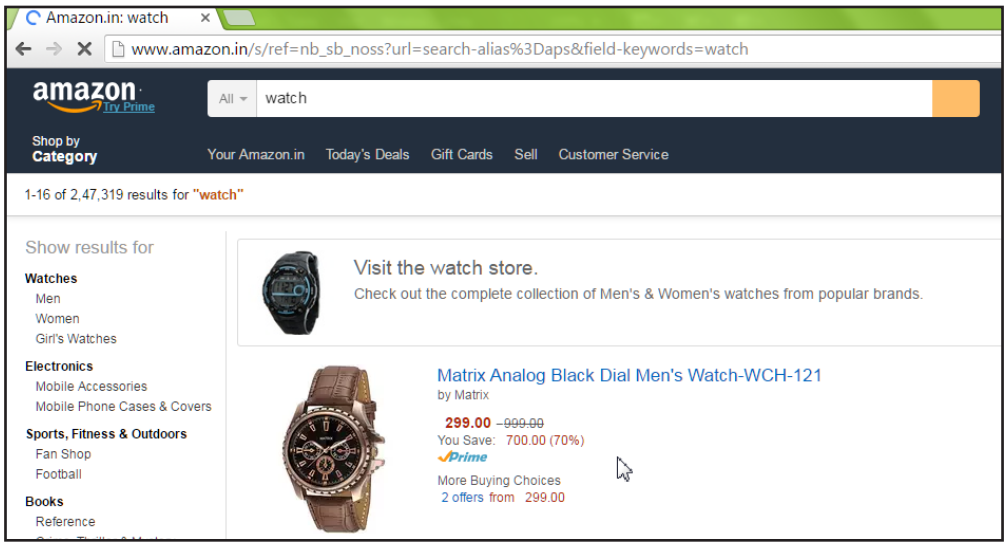
आज के समय में आप इन्टरनेट ई-कॉमर्स और ऑनलाईन स्टोर वेब साईटस् के मदद से घर बैठें ऑनलाईन शॉपिंग करके अपना पैसा और समय दोनो की बचत् कर सकते है।

कुछ विश्वसनीय और प्रसिद्ध ऑनलाईन शॉपिंग वेबसाईटस्-

1. www.jabong.com
2. www.amazon.in
3. www.ebay.in

ऐम्ज़ान पर ऑनलाईन शॉपिंग करना-

1. गुगल क्रोम वेब ब्राउजर को ओपन करें।
2. एड्रेस बार में **www.amazon.in** टाईप करें।
3. अपना एक ऐम्ज़ान अंकाउट का निर्माण करें।
4. आप जिस प्रोडक्ट को खरीदना चाहते है, उसे सर्च करे।
5. आप अपने पसंद और मुल्य के अनुसार प्रोडक्ट को चुनें।



ऑनलाइन पेमेंट करना-

इन्टरनेट पर ऑनलाइन पेमेंट के लिए आप इन्टरनेट बैकिंग या डेबिट कार्ड का प्रयोग कर सकते है। लेकिन यह एक जटिल और सावधानीपूर्वक किया जाने वाला प्रोसेस है। अन्यथा, हैकर्स के द्वारा आपके बैंक अंकाउट को हैक किया जा सकता है, जिससे आपको आर्थिक रुप से नुकसान हो सकता है।

ऑनलाइन पेमेंट के लिए कुछ महत्वपूर्ण तथ्य जिसें आपको जानना जरुरी है-

1. यह तय करें कि आपके कम्प्यूटर में एक शक्तिशाली एंटी-वायरस सॉफ्टवेयर इन्टरनेट सिक्युरिटी के साथ कार्य करने वाला हो। और अप-टु-डैट हो।
2. विंडोज और एंटी-वायरस का फायरवॉल इनेबल हो।
3. आपको ऑनलाइन पेमेंट प्रकिया की पूरी जानकारी हो।